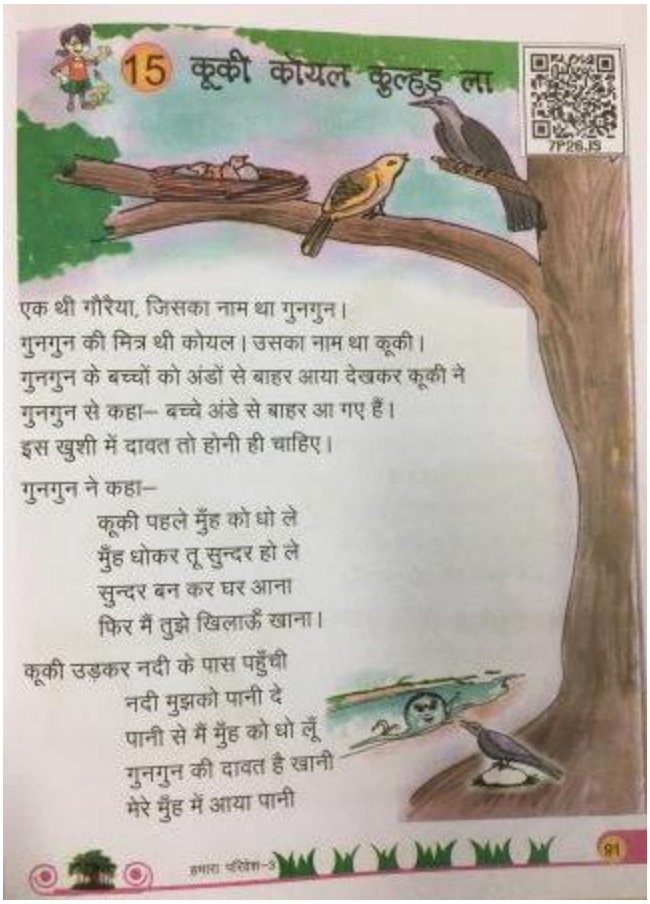

15 कूकी कोयल कुल्हड़ ला

एक थी गौरैया, जिसका नाम था गुनगुन।
गुनगुन की मित्र थी कोयल। उसका नाम था कूकी।
गुनगुन के बच्चों को अंडों से बाहर आया देखकर कूकी ने
गुनगुन से कहा– बच्चे अंडे से बाहर आ गए हैं।
इस खुशी में दावत तो होनी ही चाहिए।

गुनगुन ने कहा–

कूकी पहले मुँह को धो ले
मुँह धोकर तू सुन्दर हो ले
सुन्दर बन कर घर आना
फिर मैं तुझे खिलाऊँ खाना।

कूकी उड़कर नदी के पास पहुँची

नदी मुझको पानी दे
पानी से मैं मुँह को धो लूँ
गुनगुन की दावत है खानी
मेरे मुँह में आया पानी

नदी ने कहा–

कूकी कैसे पानी दूँ
पहले जाकर बर्तन ला
बर्तन में तू पानी भर
मुँह धो ले तू जी भरकर

कूकी उड़कर कुम्हार के पास पहुँची–

कुम्हार भइया चाक चला
चाक चला कर कुल्हड़ बना
कुल्हड़ में मैं पानी भर लूँ
पानी से मैं मुँह को धो लूँ
मुँह धोकर मैं दावत खा लूँ।

कुम्हार ने कहा–

कूकी कैसे कुल्हड़ दूँ
पहले जाकर मिट्टी ला
मिट्टी से मैं कुल्हड़ बनाऊँ
उसे पका कर तुझे थमाऊँ।

कूकी उड़ कर मिट्टी के पास पहुँची–

मिट्टी मुझको मिट्टी दे
मिट्टी से कुल्हड़ बनवाऊँ
कुल्हड़ में पानी भर लाऊँ
पानी से मैं मुँह धो आऊँ
मुँह धोकर मैं दावत खाऊँ।

मिट्टी ने कहा–

कूकी तेरी चोंच है तेज
चोंच से ले तू मिट्टी खोद
मिट्टी जाकर दे कुम्हार को
उससे ले ले कुल्हड़ तू
भर ले उसमें पानी तू
पानी से अपना मुँह धोकर
खा गुनगुन की दावत तू।

चोंच से मिट्टी खोद कर कूकी ने कुम्हार को दिया। कुम्हार ने चाक पर मिट्टी से कुल्हड़ बनाया और उसे आग में पका कर कूकी को दिया। कूकी ने कुल्हड़ में नदी से पानी भरा और मुँह धोकर दावत खाने गुनगुन के पास पहुँच गई। गुनगुन ने कूकी को मिट्टी के बर्तनों में स्वादिष्ट खाना खिलाया। कूकी दावत का खाना खाकर खुश हुई और बच्चों को आशीर्वाद देकर उड़ गई।

अभ्यास

प्रश्नों के उत्तर लिखो –

(क) कूकी को कुल्हड़ की जरूरत क्यों पड़ी ?

(ख) कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार ने कूकी से क्या माँगा ?

(ग) गुनगुन ने किन बर्तनों में कूकी को खाना खिलाया ?

(घ) क्या तुम्हारे घर में मिट्टी के बर्तन हैं ? उनके नाम बताओ।

2. चित्र देखकर मिट्टी से बनी वस्तुओं के नाम लिखो–

....

....

....

3. बनाओ और सजाओ –

मिट्टी को गूँधकर एक मोटी गोल चपाती बनाएँ, मिट्टी के लम्बे साँप बनाकर चपाती के किनारे चिपकाकर थाली बनाएँ। थाली को सुखा कर उसे मनपसंद रंग से रंगें।

4. करके देखो–

एक बिना पका कुल्हड़ लो और एक कुल्हड़ लो जो आग में पका हो। दोनों में पानी डाल कर रात भर रखो। सुबह देखो– क्या हुआ ?

5. देखो और जानो–

अपने घर के पास, जहाँ चाक पर बर्तन बनाए जाते हैं, वहाँ जाओ और देखो कि चाक पर बर्तन कैसे बनाए जाते हैं।

कितना सीखा 4

1. चित्र देखकर संकेतों के अनुसार रंग भरो–

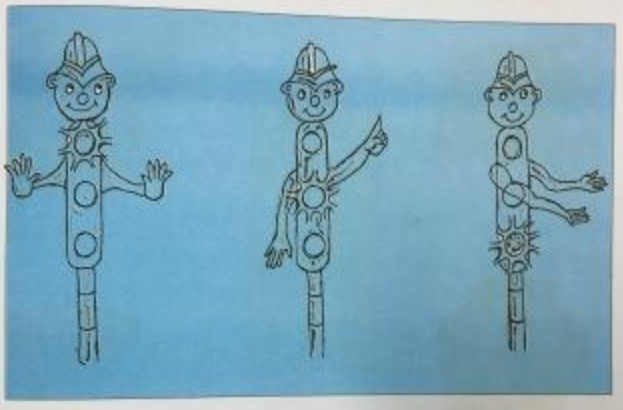

2. सही कथन के सामने (✓) एवं गलत कथन के सामने (x) का निशान बनाएँ –

(अ) हमें सदैव सड़क के बाईं ओर चलना चाहिए। ( )

(ब) बाइक चलाते समय सिर पर हेलमेट नहीं लगाना चाहिए। ( )

(स) सड़क पार करते समय मोबाइल पर बात नहीं करनी चाहिए।( )

(द) कूड़ा इधर–उधर फेंक देना चाहिए। ( )

3. पुराने समय में संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग होता था, बड़ों से पता करके लिखो।

4. मिट्टी के बर्तनों के चित्रों को देखो और इसके उपयोग से मिलान करो–

ठंडा पानी

दीपावली

चाय / पानी

खेलना

5. पुराने अखबार एवं पत्रिकाओं से संचार के साधनों के चित्रों को इकट्ठा कर उन्हें कॉपी या चार्ट पर चिपकाओ एवं उनके नाम लिखो।

6. यदि हम यातायात के नियमों का पालन न करें तो क्या होगा ?